भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

05.02.2020 के

तारांकित प्रश्न सं. 48 का उत्तर

उत्तराखंड में रेल लाइनें

***48. एडवोकेट अजय भट्टः**

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) उत्तराखंड में ऋषिकेश-कर्णप्रयाग तथा टनकपुर-बागेश्वर रेल लाइनों की प्रगति रिपोर्ट/वर्तमान स्थिति क्या है;

(ख) क्या उक्त रेल लाइन के निर्माण का कार्य आरंभ हो चुका है;

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और उक्त कार्य को कब तक पूरा किये जाने की संभावना है;

(घ) क्या उत्तराखंड में रामनगर-चैखुटिया रेल लाइन को गैरसैंण से जोड़ने की मांग पर विचार किया जा रहा है;

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(च) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

रेल और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री (श्री पीयूष गोयल)

(क) से (च): एक विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

****

उत्तराखंड में रेल लाइनों के संबंध में 05.02.2020 को लोक सभा में एडवोकेट अजय भट्ट के तारांकित प्रश्न संख्या 48 के भाग (क) से (च) के उत्तर से संबंधित विवरण।

(क) से (ग): ऋषिकेष-कर्णप्रयाग नई लाइन परियोजना, 2010-11 के बजट में स्वीकृत की गई थी। इस परियोजना की नवीनतम लागत 16216 करोड़ रुपए है, जिसमें से, मार्च 2019 तक 1361 करोड़ रुपए का व्यय किया जा चुका है। ऋषिकेष-कर्णप्रयाग रेल लाइन परियोजना की मौजूदा स्थिति नीचे दी गई है:-

अंतिम स्थान निर्धारण सर्वेक्षण, भूमि अधिग्रहण, वन विभाग से स्वीकृति, भू-तकनीकी जांच और समूची परियोजना के लिए पहुंच मार्ग संबंधी कार्य पूरे कर लिए गए हैं।

वीरभद्र और योगनगरी ऋषिकेष (5.7 कि.मी) के बीच पहले ब्लॉक खंड में निर्माण कार्य शुरू कर दिए गए हैं। ऋषिकेष में एक निचला सड़क पुल (आरयूबी) और एक ऊपरी सड़क पुल (आरओबी) पूरा कर लिया गया है। ऋषिकेष के निकट चंद्रभागा नदी पर एक महत्वपूर्ण ऊपरी रेल पुल का निर्माण शुरू किया गया है।

शेष खंडों में लाछमौली में एक महत्वपूर्ण रेल पुल संख्या 8 और श्रीनगर में अलकनंदा नदी पर पुल संख्या 9 का निर्माण शुरू कर दिया गया है। अलकनंदा नदी पर श्रीनगर, गौछार और कालेश्वर में तीन सड़क पुलों का निर्माण शुरू कर दिया गया है। कुल 16 सुरंगों का निर्माण किया जाना है, जिन्हें 10 पैकेजों में बांटा गया है। इसके अलावा 6 सुरंगों में आने-जाने के 6 मार्गों का निर्माण कार्य भी शुरू कर दिया गया है। डिजाइन एवं परियोजना प्रबंधन परामर्शदाता (पीएमसी) ठेके प्रदान कर दिए गए हैं और सभी पैकेजों में डिजाइन कार्य शुरू कर दिए गए हैं। ठेके प्रदान करने का कार्य शुरू कर दिया गया है।

टनकपुर-बागेशवर रेल लाइन: टनकपुर-बागेशवर, 155 कि.मी. मार्ग के लिए सर्वेक्षण 2010-11 में पूरा किया गया था। 2010-11 की लागत पर इस परियोजना की प्रत्याशित लागत 2791 करोड़ रूपए थी। सर्वेक्षण रिपोर्ट के अनुसार, यह परियोजना वित्तीय दृष्टि से अलाभप्रद पाई गई थी, अतः इस संबंध में आगे कार्रवाई नहीं की जा सकती। इस परियोजना के लिए अद्यतन सर्वेक्षण 2018-19 में स्वीकृत किया गया है। अद्यतन सर्वेक्षण शुरू कर दिया गया है।

किसी भी परियोजना का समय से पूरा होना राज्य सरकार द्वारा शीघ्र भूमि अधिग्रहण, वन विभाग के प्राधिकारियों द्वारा वन संबंधी मंजूरी, बाधक जनोपयोगी सेवाओं (भूमिगत और भूमि के ऊपर दोनों पर) की शिफ्टिंग, विभिन्न प्राधिकरणों से सांविधिक स्वीकृतियां, क्षेत्र की भौगोलिक और स्थलाकृतिक स्थिति, परियोजना साइट के क्षेत्र में कानून एवं व्यवस्था की स्थिति, जलवायु स्थिति को ध्यान में रखते हुए परियोजना विशेष की साइट के लिए वर्ष में कार्य के महीनों की संख्या, भूकंप, बाढ, अत्यधिक वर्षा, श्रमिकों की हड़ताल जैसी अप्रत्याशित

परिस्थितियों का सामना करना, माननीय न्यायालय के आदेश, कार्यरत एजेंसियों/ठेकेदारों की स्थिति और शर्तें आदि जैसे विभिन्न कारकों पर निर्भर करता है और ये सभी कारक परियोजना की निष्पांदन के समय और लागत को प्रभावित करते हैं, जिसकी अंततः कार्य समापन स्थिति पर गणना की जाती है। अतः परियोजना को पूरा करने के लिए, फिलहाल कोई निश्चित समय-सीमा निर्धारित नहीं की जा सकती।

(घ) से (च) : रामनगर-चौखुटिया-गैरसेंण, 212 कि.मी. लंबी लाइन के लिए सर्वेक्षण 2015-16 में स्वीकृत किया गया है। फील्ड सर्वेक्षण पूरा कर लिया गया है, सर्वेक्षण रिपोर्ट तैयार करने का कार्य शुरू कर दिया गया है।

******